PROGRAMME PROJECT REPORT

कार्यक्रम –मास्टर ऑफ आर्ट्स संस्कृत (एम. ए. संस्कृत)

कार्यक्रम के विषय में :–

कला संकाय के अन्तर्गत एम. ए. संस्कृत दो वर्षीय चार सेमेस्टर की अवधि का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं परंपरा से परिचित कराना है इसके साथ ही संस्कृत भाषा में अभिरूचि रखने वाले शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा का ज्ञान अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा इस कार्यक्रम में स्नातक उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

(a) कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्य :–

कार्यक्रम का लक्ष्य :–

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम का मिशन शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा शिक्षण की उच्चस्तरीय मूल्यआधारित शिक्षा प्रदान कर प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपरा, शिक्षा–दर्शन के साथ साथ वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना एवं समसामयिक शिक्षा के साथ समन्वय स्थापित करना तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संस्कृत भाषा शिक्षण को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :–

- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को समसामयिक शिक्षा के साथ साथ प्राचीन एवं पारंपरिक संस्कृत भाषा को सीखने का अवसर प्रदान करना।
- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना।
- संस्कृत विषय पर रूचि रखने वाले शासकीय/अशासकीय कर्मचारियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना।
- शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु नवीन और प्रासंगिक शैक्षणिक अवसर प्रदान करना।
- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संस्कृत भाषा शिक्षण को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना।
- एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के प्रशिक्षण द्वारा शिक्षार्थियों के सामाजिक, आध्यात्मिक, नैतिक एवं व्यावहारिक गुणों का विकास कर उच्च आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करना।
- एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा समसामयिक शिक्षा, विज्ञान, एवं आध्यात्मिकता के साथ पारंपरिक शिक्षा का समन्वय स्थापित करना।

V.P. Mishra

- संस्कृत भाषा शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया को उत्कृष्ट, सशक्त बनाने हेतु प्रोत्साहित करना।
- संस्कृत भाषा कौशल का विकास करना।

(b) विश्वविद्यालय के लक्ष्य के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता :–

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षाका उद्देश्य शिक्षार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च स्तरीय मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना, विश्वविद्यालय के मुक्त एवं दूरवर्ती व नियमित शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे वाणिज्य, प्रबंधन, विज्ञान, शिक्षा एवं कला के माध्यम से शिक्षार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल, ज्ञान, योग्यता का सर्वांगीण विकास करना। मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा नियमित शिक्षा से वंचित शिक्षार्थी जो अपने ज्ञान, शैक्षणिक योग्यता, व्यक्तिक एवं व्यावसायिक कौशल में वृद्धि करना चाहते है उन्हें उच्च शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा।

(c) शिक्षार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूप :–

यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन शिक्षार्थियों के आवश्यकतानुसार तैयार किया गया है जो नियमित अध्ययन से वंचित है। शासकीय व अशासकीय लोक नियोजन में कार्यरत कला स्नातक कर्मचारी, ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी,आर्थिक स्थिति से कमजोर,व्यावसायी,गृहणीं एवं कामकाजी महिला जो किसी कारण से नियमित अध्ययन करने में असमर्थ है ऐसे शिक्षार्थी लक्ष्य समूह है।

(d) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति तहत विशिश्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तताः–

- स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों को वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों कोप्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, एवं परंपरा से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाशा में अभिरूचि रखने वाले शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा का ज्ञान होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थी संस्कृत भाषा के वातावरण में संचार करेगा।

(e) निर्देशात्मक डिजाइन :–

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम दो वर्षीय चार सेमेस्टर की अवधि का होगा इस पाठ्यक्रम में स्नातक उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश ले सकता है।

क्रेडिट प्वाईंट :–

मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा में एम. ए. संस्कृत पाठ्यक्रम क्रेडिट सिस्टम का अनुसरण करती है इस प्रणाली में प्रत्येक क्रेडिट 30 घण्टों के अध्ययन के समकक्ष होता है अर्थात् प्रत्येक सेमेस्टर के एक विषय में 4 क्रेडिट प्वाईंट है जिसमें 120 घण्टों का अध्ययन सम्मिलित है। इससे शिक्षार्थी को उस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में लगने वाले समय व श्रम का ज्ञान होगा।एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित है प्रत्येक सेमेस्टर में 16 क्रेडिट प्वाईंट है इस प्रकार चार सेमेस्टर 64 क्रेडिट प्वाईंट का होगा।

V. Mishra

PROPOSED COURSE OF STUDY AND SCHEME EXAMINATION OF MASTER OF ARTS

(M. A.) SANSKRIT PROGRAMME

Duration: 24 Months (2 Years 4 Semester) **Eligibility: - Graduatation in any dicipline**

PROPOSED SCHEME OF EXAMINATION

Subject Code	Subject	Credit	Total Marks	Theory		Practical Marks		Assignment / Viva	
				Max.	Min.	Max.	Min.	Max.	Min.
First Semester									
1MA SANS 1	वेद एवं वेदाङ्ग I	4	100	70	25	–	–	30	11
1MA SANS 2	व्याकरण एंव भाषा विज्ञान I	4	100	70	25	–	–	30	11
1MA SANS 3	भारतीय दर्शन I	4	100	70	25	–	–	30	11
1MA SANS 4	काव्य I	4	100	70	25	–	–	30	11
	Total	**16**	**400**	**280**	**112**	–	–	**120**	**48**
Second Semester									
2MASANS 1	वेद एवं वेदाङ्ग II	4	100	70	25	–	–	30	11
2M SANS 2	व्याकरण एंव भाषा विज्ञान II	4	100	70	25	–	–	30	11
2MASANS 3	भारतीय दर्शन II	4	100	70	25	–	–	30	11
2MASANS 4	काव्य II	4	100	70	25	–	–	30	11
	Total	**16**	**400**	**280**	**112**	–	–	**120**	**48**
Third Semester									
3MA SANS 1	भारतीय इतिहास	4	100	70	25	–	–	30	11
3MA SANS 2	साहित्यशास्त्र एवं सौन्दर्यशास्त्र I	4	100	70	25	–	–	30	11
3MA SANS 3	काव्य शास्त्र I	4	100	70	25	–	–	30	11
3MA SANS 4	**Elective Paper (Choose Any One)**	4	100	70	25	–	–	30	11
	Total	**16**	**400**	**280**	**112**	–	–	**120**	**48**

v.p. mishra

Fourth Semester (Group A)									
4MA SANS 1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 2	साहित्य शास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र II	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 3	काव्य शास्त्र II	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 4	**Elective Paper (Choose Any One)**	4	100	70	25	–	–	30	11
	Total	**16**	**400**	**280**	**112**	–	–	**120**	**48**
Fourth Semester (Group B)									
4MA SANS 1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 2	साहित्य शास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र II	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 3	काव्य शास्त्र II	4	100	70	25	–	–	30	11
4MA SANS 4	लघुशोध प्रबंध (Dissertation)	4	100	–	–	70	25	30	11
	Total	**16**	**400**	**210**	**84**	**70**	**28**	**120**	**48**
Elective Paper - Third Semester Choose Any One									
3MA SANS 4	महाकाव्य I								
3MA SANS 4	विशेषकवि कालिदास								
3MA SANS 4	विशेषकवि राजशेखर								
Elective Paper- Fourth Semester (Group A) Choose Any One									
4MA SANS 4	महाकाव्य II								
4MA SANS 4	विशेषकवि भवभूति								
4MA SANS 4	काव्य तथा चम्पू								

Evaluation Scheme:

- 36% each in Theory Paper, Practical, Project-work, Dissertation & Assignments.
- Aggregate marks to pass will be 40% including the Theory Papers, Practical, Project-work, Dissertation& Assignments.

अवधि :–इस कार्यक्रम की अवधि दो वर्षीय चार सेमेस्टर का होगा तथा शिक्षार्थियों को अपनी स्नातकोत्तर उपाधि 05 वर्ष के अन्दर पूर्ण करना होगा।

माध्यम :–इस कार्यक्रम का माध्यम हिन्दी एवं संस्कृत होगा, लिखित परीक्षा हिन्दी एवं संस्कृत भाषा में होगें।

शैक्षणिक एवं सहायक स्टाफ की आवश्यकता :–

विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों के मार्गदर्शन व सहायता के लिये एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम हेतु आचार्य एवं सहायक आचार्य स्तर के शैक्षणिक स्टाफ उपलब्ध हैं साथ ही शिक्षार्थियों के लिए शिक्षार्थी सहायता केन्द्र भी स्थापित है।

पाठ्यक्रम डिलिवरी व्यवस्था :–

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पढ़ने का तरीका परम्परागत शिक्षा व्यवस्था से पूरी तरह अलग होता है। दूरस्थ शिक्षा में यह तुलनात्मक रूप से अधिक शिक्षार्थी पर केन्द्रित होती है तथा पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया शिक्षार्थी सक्रिय रूप से भागीदारी करता है। जरूरत के अनुसार पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा विधियों व शाला की कक्षा के अनुसार शिक्षार्थियों को पढ़ाया व सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये मुद्रित अध्ययन सामग्री समय–समय पर शिक्षार्थी को भेजी जाती है। यह अध्ययन सामग्री के साथ ही भेजे जाते है। कुछ पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन मॉड्यूल भी उपलब्ध हैं कुछ का विकास कार्य अभी प्रगति पर है जैसे ही वे तैयार हो जायेंगें पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए वेबसाईट पर उपलब्ध करा दिये जाएंगे।

एक वर्ष के पाठ्क्रम के लिये शैक्षणिक सत्र 30 दिनों का होगा। संपर्क कार्यक्रम के लिये समय एवं स्थान की जानकारी शिक्षार्थियों को अलग से भेजी जायेगी। शिक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत पाठ्क्रम डिलेवरी के लिये मल्टीमीडिया प्रकार से अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है।

- **स्व निर्देशात्मक मुद्रित सामग्री** –शिक्षार्थियों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक दोनों प्रकार के ज्ञान के लिए पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री अलग–अलग समूहों में स्वनिर्देशात्मक शैली में मुद्रित कर भेजी जाती है।
- **दृश्य श्रव्य सामग्री** –शिक्षार्थी आसानी से विषय समझ सके इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्यक्रम आधारित दृश्य–श्रव्य सीडी का निर्माण किया गया है। ये दृश्य कार्यक्रम सामान्यतः 25–30 मिनट अवधि के होते है। इन दृश्य प्रोग्रामों को अध्ययन केन्द्रों पर नियत समय पर शिक्षार्थियों के लिए दिखाया जाता है।

V.P. Mishra

- **परामर्श सत्र** –अध्ययन केन्द्रों द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा हेतु अपने यहाँ नियत कार्यक्रम के अनुसार परामर्श सत्र आयोजित किये जाते हैं सामान्यत इन्हें अध्ययन केन्द्र के सामान्य कार्य समय के बाद में आयोजित किया जाता है।
- **टेलीकॉफ्रेसिंग** –कुछ चयनित अध्ययन केन्द्रों पर विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्टूडियो से शिक्षार्थियों व शिक्षकों के मध्य संवाद हेतु वीडियो कान्फ्रेसिंग का आयोजन किया जाता है। इसका विवरण अध्ययन केन्द्रों पर उपलब्ध रहता है।
- **सत्रीय कार्य** –कुछ पाठ्यक्रमों में औद्योगिक प्रशिक्षण/प्रायोगिक/परियोजना कार्य भी सम्मिलित है किन्तु इस कार्यक्रम में सत्रीय कार्य/लघुशोध प्रबंध कार्य सम्मिलित है जिसमें 30 प्रतिशत वेटेज दिया जायेगा सत्रीय कार्य निर्धारित केन्द्रों पर अध्ययन केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई गई समय सारणी अनुसार कराए जाते है। सत्रीय कार्य के लिए प्रत्येक विषय के प्रश्न अध्ययन केन्द्रों में उपलब्ध करायी जाती है।
- **सम्पर्क कक्षाओं की प्रकृति** –सम्पर्क कक्षा के दौरान शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम सामग्री के अधार पर निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये जाते हैं सम्पर्क कक्षा के समय शोधार्थी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्शदाता एवं सहपाठी से विचार विमर्श कर सकता है। शोधार्थी अध्ययन केन्द्रों द्वारा करायी जाने वाली विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी शामिल हो सकता है।
- **सहायक सेवाएँ**–शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत एवं व्यक्तिशः सेवाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बड़ी संख्या में शिक्षा केन्द्र पूरे प्रदेश में स्थापित किए गए हैं, इन शिक्षा केन्द्रों का सम्यक् रूप से नियंत्रण क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा किया जाता है। शिक्षा केन्द्रों पर शिक्षार्थी अन्य शिक्षार्थियों एवं प्रशिक्षकों के साथ प्रशासनिक एवं शोध सम्बन्धी विशयों पर भी संवाद/वार्तालाप करते है।
- **परामर्श एवं अध्ययन संरचना** :–सम्पूर्ण एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम में परामर्श एवं अध्ययन संरचना क्रेडिट सिस्टम व अध्ययन अवधि घण्टों पर अधारित है प्रत्येक सेमेस्टर में एक विषय 4 क्रेडिट का होगा जिसमे अध्ययन के लिए 120 घण्टों की आवश्यकता होगी। इस अध्ययन अवधि को प्रत्यक्ष परामर्श में 16 घण्टें, स्वअध्ययन 68 घण्टें और सत्रीय कार्य में 36 घण्टें में विभाजित

परामर्श एवं अध्ययन संरचना(counselling & Study structure)

S. N.	Code	Title of the course	credit	Total Hours of study	counselling & Study structure (Hours)				Project
					Face to Face Counselling	Self study	Practical	Assignments	
Semester – I									
1	1MASANS 1	वेद एवं वेदाङ्ग I	4	120	16	68	-	36	
2	1MASANS 2	व्याकरण एंव भाषा विज्ञान I	4	120	16	68	-	36	
3	1MASANS 3	भारतीय दर्शन I	4	120	16	68	-	36	
4	1MASANS 4	काव्य I	4	120	16	68	-	36	
Semester – II									
5	2MASANS 1	वेद एवं वेदाङ्ग II	4	120	16	68	-	36	
	2M SANS 2	व्याकरण एंव भाषा विज्ञान II	4	120	16	68	-	36	
7	2MASANS 3	भारतीय दर्शन II	4	120	16	68	-	36	
8	2MASANS 4	काव्य II	4	120	16	68	-	36	
Semester – III									
9	3MASANS 1	भारतीय इतिहास	4	120	16	68	-	36	
10	3M SANS 2	साहित्य शास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र I	4	120	16	68	-	36	
11	3MASANS 3	काव्य शास्त्र I	4	120	16	68	-	36	
12	3MASANS 4	Elective Paper (Choose Any One)	4	120	16	68	-	36	
Semester – IV (Group A)									
13	4MASANS 1	Research Methodology	4	120	16	68	-	36	
14	4M SANS 2	साहित्य शास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र II	4	120	16	68	-	36	
15	4MASANS 3	काव्य शास्त्र II	4	120	16	68	-	36	
16	4MASANS 4	Elective Paper (Choose Any One)	4	120	16	68	-	36	
Semester – IV (Group B)									
17	4MASANS 1	Research Methodology	4	120	16	68	-	36	
18	4M SANS 2	साहित्य शास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र II	4	120	16	68	-	36	
19	4MASANS 3	काव्य शास्त्र II	4	120	16	68	-	36	
20	4MASANS 4	लघुशोध प्रबंध (Dissertation)	4	120	16	-	-	-	104
Elective Paper - Third Semester Choose Any One									
3MASANS 4		महाकाव्य I							
3MASANS 4		विशेषकवि कालिदास							
3MASANS 4		विशेषकवि राजशेखर							
Elective Paper- Fourth Semester (Group A) Choose Any One									
4MASANS 4		महाकाव्य II							
4MASANS 4		विशेषकवि भवभूति							
4MASANS 4		काव्य तथा चम्पू							

V.P. Mishra

(f) प्रवेश पाठ्य क्रम लागू करने और मूल्यांकन करने की प्रकिया :–

प्रवेश प्रक्रिया :–

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के अर्न्तगत एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्य सूची या प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के नियमानुसार। यू. जी. सी. सेमान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण। इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा तय अवधि में समस्त प्रमाण पत्र एवं प्रवेश शुल्क के साथ आवेदन करना होगा।

S.N.	Course	Eligibility	Duration	Total Fee
1	M.A. Sanskrit	Graduate any dicipline	2 Years	20600

वित्तीय सहायता :–

अनु. जाति/अनु. जन जातिके शिक्षार्थी कोई–छात्रवृत्ति छ.ग. शासन के निर्धारित योजना के मानदण्ड के अनुसार प्राप्त होगा।

मूल्यांकन पद्धति –

मूल्यांकन पद्धति मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मूल्यांकन भी परम्परागत शिक्षा पद्धति से अलग होता है।

विश्वविद्यालय में मूल्यांकन बहुस्तरीय पद्धति है।

- अध्ययन इकाई के अन्दर ही स्व मूल्यांकन की बहुस्तरीय पद्धति है।
- शिक्षक द्वारा जाँचे जाने सत्रीय कार्य तथा समय समय आयोजित संगोष्ठी विस्तारित सम्पर्क कार्यक्रम के माध्यम से सतत् मूल्यांकन ।
- अवधि पूर्ण होने पर परीक्षा।
- शिक्षार्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा अध्ययन क्रम के दौरान इन गतिविधियों पर निर्भर करता है जिनमें वे भाग लेते है। अवधि पूरी होने के उपरान्त होने वाली परीक्षा में शिक्षार्थी सम्मिलित हो सकता है जबकि उसने अध्ययन क्रम में दिये गये समस्त सत्रीय कार्य पूर्ण कर लिया हो। शिक्षार्थी को शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य को उस अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होता है जिससे वह सम्बन्धित है। शिक्षार्थी को सलाह दी जाती है कि वे शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें तथा मांगे जाने पर शिक्षार्थी मूल्यांकन प्रभाग के सम्मुख उन्हे प्रस्तुत करें। दिसंबर एवं जून में प्रदेश भर में चयनित केन्द्रों

V.P.Mishra

में पाठ्यक्रम के उपरान्त् परीक्षा आयोजित की जायेगी। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य को 30% वेटेज दिया जायेगा।

(A) आंतरिक मूल्यांकन सत्रीय कार्य में 30% वेटेज दिया जायेगा।

(B) सेमेस्टर अवधि उपरान्त मुख्य परीक्षा में 70% वेटेज दिया जायेगा।

सेमेस्टर अवधि उपरान्त् मुख्य परीक्षा	70
आंतरिक मूल्यांकन	30
कुल अंक	100

अवधि समाप्ति के पश्चात् परीक्षा एवं परीक्षा शुल्क : –

विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर अवधि समाप्ति के उपरान्त प्रत्येक वर्ष नवंबर–दिसंबर एवं मई–जून में टर्म समाप्ति परीक्षा आयोजित की जाती है शिक्षार्थी इस परीक्षा में तभी सम्मिलित हो सकता है जब वह निम्नांकित शर्तेंपूर्ण करेगा–

- शिक्षार्थी का उस विषय के लिए पंजीकरण वैद्य हो।
- उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक न्यूनतम समय पूर्ण किया हो।
- उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक समस्त सत्रीय कार्य निर्धारित समयावधि में जमा किया हो।

(C) **सत्रीय/लघुशोध प्रबंध कार्य–**

यदि शिक्षार्थी एम. ए. संस्कृत पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में (ग्रुप B) का चयन करता है तो उन्हें तीन मुख्य विषय के परीक्षा के साथ चतुर्थ विषय लघु शोध प्रबंध कार्य निर्धारित समायावधि में पूर्ण करना होगा। लघुशोध प्रबंध कार्य 70 अंक और उसमें मौखिक परीक्षा 30 अंक के होंगे साथ ही अन्य विषयों के सत्रीय कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना होगा।

(g) प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता –

इस पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला की आवश्यकता नही होगी। शिक्षार्थियों के अध्ययन के लिये विश्वविद्यालय में केन्द्रिय पुस्तकालय एवं संदर्भ पुस्तकालय, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान में उपलब्ध है जहां शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार पाठ्य सामग्री लेकर अध्ययन कर सकता है।

V.P. mishra

59

Renu

(h) कार्यक्रम पर होने वाली लागत और प्रावधान –

यह कार्यक्रम पहले से ही 2009–2010 में डिजाइन और विकसित किया गया था। आज के परिदृश्य के बारे में कि इस प्रकिया में इस कार्यक्रम के लिये विकास लागत,रखरखाव लागत सहित मौजूदा लागत अनुमान 8,68,200 रुपये की राशि आती है। और इसके लिये 8,80,000 रुपये का प्रावधान किया गया है।

(i) गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम –

विश्वविद्यालय के गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और संस्कृत विभाग द्वारा इस कार्यक्रम की निरंतर समीक्षा एवं निगरानी की जाती है तथा हितग्रागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर उचित निष्कर्श निकालकर कार्यक्रम को और प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाया जाता है।

एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा शिक्षार्थियों को संस्कृत भाशा सीखने, प्राचीन भारतीय भाषा एवं परंपरा का ज्ञान, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की उच्चस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने, शासकीय/अशासकीय कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर के साथ साथ संस्कृत भाषा शिक्षक, आनलाइन ट्रान्सक्रिप्टर, व्याख्याता, कार्यालयीन भाषा अधिकारी, संस्कृत टंकणकर्ता संस्कृत हिन्दी प्रशिक्षण अधिकारी के क्षेत्र मे भविष्य निर्माण का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।